ICSE Examination-2023

Hindi

(Second Language)

Solved Paper

Class-10th

Maximum Marks: 80
Time allowed: Three hours

Answer to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answer.

***Section A** is compulsory - **All** questions in **Section A** must be answered.*
*Attempt any **four** questions from **Section B,** answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and **any two** questions from the same books you have studied.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].

SECTION - A

40 MARKS

Attempt all questions from this Section.

Question-1.

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics:- **[15]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर **हिन्दी** में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:-

(i) 'प्लास्टिक मुक्त भारत स्वच्छ भारत' इस अभियान को सफ़ल बनाने हेतु सरकार के तथा अपने प्रयासों पर एक प्रस्ताव लिखिए।

(ii) समाज में फैली समस्याओं में मँहगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है। इसके कारणों तथा दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए यह भी बताइए कि सरकार तथा जनता इससे मुक्त होने के लिए क्या-क्या प्रयास कर रही है? अपने विचारों को प्रस्ताव के रूप में लिखिए।

(iii) भारत विविधताओं (Diversity) का देश है, यहाँ के प्रत्येक राज्य (State) की अपनी ही विशेषताएँ हैं' विषय को ध्यान में रखते हुए किसी एक राज्य की यात्रा का वर्णन करें तथा वहाँ के खान-पान, रहन-सहन तथा प्राकृतिक-सौन्दर्य को स्पष्ट करते हुए प्रस्ताव लिखिए।

(iv) 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' पंक्ति से आरम्भ करते हुए अपने जीवन से सम्बन्धित एक मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए:-

Question-2.

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below:- **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:-

(i) इस बार आपने आज़ादी का अमृत महोत्सव एक अनाथ-आश्रम में छोटे बच्चों के साथ मनाया, उन बच्चों के साथ बिताए हुए पल तथा खुशियों का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

(ii) आपने 'एम.आई' (MI) कम्पनी अथवा किसी अन्य कम्पनी का मोबाइल 'ऑनलाईन' खरीदा था। उसमें कुछ खराबी आ गई है वह अभी 'गारंटी टाईम' में भी है उसे बदलने का अनुरोध करते हुए उस कंपनी के प्रबन्ध को पत्र लिखिए।

Question-3.

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible:-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में दीजिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:-

बसंत ऋतु का आगमन हो चुका था, परंतु कोयल और मोर उदास थे। जंगल के राजा ने एक जाँच आयोग का गठन करवाया जिसका प्रमुख कौवा बनाया गया। जाँच द्वारा पता चला कि कोयल और मोर एक ही घर की मुंडेर पर बैठे थे कि तभी उनकी नज़र घर पर चल रहे टेलीविज़न पर पड़ी, जिस पर नृत्य का कार्यक्रम दिखाया जा रहा था। दोनों ही बड़े चाव से कार्यक्रम देखने लगे। नृत्यांगना मोर पंख पहनकर नाच रही थी, गायिका मधुर स्वर में गा रही थी। कार्यक्रम की समाप्ति पर दोनों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम देखकर दोनों उदास हो गए। वे सोचने लगे कि हम दिन रात मधुर वाणी और मनमोहक अदाओं से सबका मन बहलाते हैं, पर हमारी प्रशंसा में किसी ने कुछ नहीं कहा।

कौवे को जब इन बातों का पता चला तो उसने दोनों को समझाया कि पक्षियों में सबसे अधिक निरादर की भावना से मुझे देखा जाता है। मेरे सारे गुणों को ताक पर रख दिया जाता है। हम आसपास से गंदगी साफ़ कर देते हैं। हम अन्य पक्षियों की तरह झगड़ते नहीं हैं। हमारे जैसा भाईचारा तो मनुष्यों में भी नहीं होता। जब हमारा साथी मर जाता है तो हम सभी एकत्र होकर काँव-काँव कर अपना दु:ख प्रकट करते हैं। हम मित्रों और मेहमानों के आगमन की सूचना देते हैं। लोग हमारी कद्र नहीं करते। गीता के उपदेश की तरह हम अपने कार्य को करते हैं, फल की इच्छा नहीं करते। क्या तुम आज तक प्रशंसा और पुरस्कार के लिए गाते और नाचते रहे। इस पर्यावरण को खुश रखने में क्या तुम्हारी सबसे अहम भूमिका नहीं है?

कौवे की बातें उन दोनों की समझ में आ गई। उसी समय जंगल में काले बादल छा गए। कोयल और मोर झूम-झूम कर नाचने और गाने लगे। सारे जंगल में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके साथ-साथ सभी पशु-पक्षी, पेड़-पौधे झूमने, गाने और चहचहाने लगे। मोर नाचता रहा, उसके आँसू बहते रहे। कौवे ने कहा, भगवान कृष्ण तुम्हारे पंख अपने सिर पर लगाते हैं। क्या इससे भी बढ़कर तुम्हारा पुरस्कार हो सकता है? इसी भाव से कोयल को भी समझाया कि तुम ही तो बसंत के आगमन की सूचना देती हो। आमों की बहार आने की खुशियाँ देती हो। यह सब सुन कर दोनों की आँखों में खुशी के आँसू थे।

(i) मोर और कोयल क्यों उदास थे? **[2]**

(ii) जंगल के राजा ने उनकी उदासी का पता लगाने के लिए क्या किया? **[2]**

(iii) कौवे ने अपना उदाहरण क्या कह कर दिया? **[2]**

(iv) कौवे की बातों का दोनों पर क्या प्रभाव पड़ा? **[2]**

(v) उन्हें अपने-अपने पुरस्कार किस रूप में प्राप्त हुए थे? **[2]**

Question-4.

Answer the following according to the instructions given below:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:- **[8]**

(i) 'आदि' का विलोम :

(a) आरम्भ **(b)** इत्यादि

(c) अन्त **(d)** श्री गणेश

(ii) 'अग्नि' का पर्यायवाची:

(a) अनल - अनिल **(b)** वासर - पावन

(c) पावक - अनल **(d)** पवन - पाहुना

(iii) 'मीठा' की भाववाचक संज्ञा:

(a) मिठाई **(b)** चीनी

(c) मिश्रित **(d)** मिठास

(iv) 'श्रम' का विशेषण:

(a) श्रमिक **(b)** आश्रमिक

(c) श्रममय **(d)** श्रमण

(v) 'शोसण' का शुद्ध रूप:

(a) सोशण **(b)** सोषण

(c) शोषण **(d)** षोसण

(vi) 'पापड़ बेलना' मुहावरे का अर्थ:

(a) काम करना **(b)** संघर्ष करना

(c) निश्चिन्त होना **(d)** लज्जित होना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य:

निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर का कोई आकार नहीं है। (रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर साकार है। **(b)** निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निराकार है।

(c) निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर ओंकार हं। **(d)** निर्गुण भक्ति के अनुसार ईश्वर निर्विकार है।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य:

हमें तैरना नहीं आता (हमें के स्थान पर 'हम' का प्रयोग कीजिए)

(a) हम तैरना नहीं सकता । **(b)** हम तैर नहीं सकते।

(c) हम तैरना नहीं जानते। **(d)** हम तैर नहीं पाते।

SECTION - B

40 MARKS

Questions from only two of the following textbooks are to be answered.
*Attempt **four** questions from this Section.*
*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions from the same books that you have chosen.*

साहित्य् सागर : संक्षिप्त कहानियाँ

(SAHITYA SAGAR : SHORT STORIES)

Question 5.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follows :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

महत्त्व मूर्ति के रंग रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है।

नेताजी का चश्मा : स्वयं प्रकाश

Netaji Ka Chashma : Swayam Prakash

(i) यहाँ किस मूर्ति की बात की जा रही है? वह मूर्ति कहाँ स्थित थी? **[2]**

(ii) पहली बार हालदार साहब ने मूर्ति पर कैसा चश्मा देखा था? दूसरी बार उन्हें चश्मे में क्या परिवर्तन दिखाई दिया था? **[2]**

(iii) 'कौतुक' का अर्थ लिखकर बताइए कि हालदार साहब का कौतुक क्यों बढ़ने लगा? उन्होंने किस व्यक्ति से क्या प्रश्न किया और क्यों ? **[3]**

(iv) मूर्तिकार का नाम बताइए। हालदार साहब के अनुसार मूर्तिकार द्वारा मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न बना पाने के क्या-क्या कारण हो सकते थे ? **[3]**

Question 6.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

"भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में छोटा-मोटा व्यवसाय, नौकरी और पेट पालने की सुविधाओं को खोजता हुआ जब तुम्हारे घर आया, तो मुझे विश्वास हुआ कि मैंने घर पाया।"

संदेह : श्री जयशंकर प्रसाद

Sandeh : Shri Jayshankar Prasad

(i) 'मैं' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? यहाँ वक्ता किसके घर की बात कर रहा है? **[2]**

(ii) वक्ता घर किसे समझता था और क्यों? **[2]**

(iii) वक्ता अपने जीवन की सच्चाई बताते हुए क्या-क्या कहता है? **[3]**

(iv) प्रस्तुत पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 7.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता।

ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ियों का दिल बैठता जाता।

भेड़ें और भेड़िए : श्री हरिशंकर परसाई
Bhedein or Bhediya : Shri Harishankar Parsai

(i) चुनाव कहाँ होने वाला था और क्यों? [2]

(ii) भेड़ों के उल्लसित होने का क्या कारण था? क्या उनका उल्लास चिर स्थायी रहा? [2]

(iii) 'दिल बैठना' मुहावरे का अर्थ लिखिए। भेड़ियों का दिल बैठने का क्या कारण था? क्या उनका दिल बैठना उचित था? [3]

(iv) 'भेड़ें और भेड़िए' कहानी वर्तमान प्रजातांत्रिक चुनाव प्रणाली का सच्चा स्वरूप प्रस्तुत करती है- कैसे? पाठ के उदाहरण से कथन को स्पष्ट कीजिए। [3]

साहित्य सागर : पद्य भाग (SAHITYA SAGAR : POEMS)

Question 8.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता।
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी, पुनीत गीता।।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।।

वह जन्मभूमि मेरी : श्री सोहनलाल द्विवेदी
Vah Janmbhoomi Meri : Shri Sohanlal Dwivedi

(i) रघुपति कौन थे? उनका जन्म किस युग में हुआ था? [2]

(ii) गीता में क्या उपदेश दिया गया है? यह उपदेश किसने दिया था? [2]

(iii) 'गौतम' का परिचय देते हुए बताइए कि उन्होंने संसार को क्या सन्देश दिया था तथा मातृभूमि के यश को किस प्रकार से बढ़ाया था? [3]

(iv) प्रस्तुत कविता में कवि ने इस देश की धरती को पुण्य भूमि तथा धर्मभूमि की संज्ञा क्यों दी है, इसको स्पष्ट करते हुए कविता में निहित देश की मुख्य विशेषताएँ भी लिखिए। [3]

Question 9.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follows :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

खीजत जात, माखन खात।
अरुण लोचन, भौंह टेड़ी, बार-बार जम्हात।।
कबहुँ रुनझुन चलत घुटुरन, धूर-धूसर गात।
कबहुँ झुक के अलक खेंचत, नैन जल भर लात।
कबहुँ तुतरे बोल बोलत, कबहुँ बोलत तात।
'सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात।।

सूर के पद : सूरदास
Sur Ke Pad : Surdas

(i) प्रस्तुत पद में सूरदासजी ने कृष्ण के किस रूप का चित्रण किया है तथा कृष्ण की झल्लाहट का क्या कारण है? [2]

(ii) कृष्ण झल्लाहट में क्या-क्या कर रहे हैं? [2]

(iii) सूर की भक्ति-भावना बताते हुए उनका संक्षिप्त परिचय लिखिए। [3]

(iv) पद के आधार पर निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए:- [3]
लोचन, धूल-धूसर, गात, निरखि, तजत, घुटुरन।

Question 10.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाँए से वे मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओंठ जब जाते,
दाता-भाग्य, विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पी कर रह जाते।

भिक्षुक : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
Bhikshuk : Suryakant Tripathi Nirala

(i) भिक्षुक के साथ कौन-कौन हैं और उनकी हालत कैसी है? **[2]**

(ii) 'दया दृष्टि' का क्या अर्थ है? उन्हें इसकी आवश्यकता क्यों है? **[2]**

(iii) भिक्षुक को देखकर कवि को महाभारत का कौन-सा पात्र याद आता है और क्यों? **[3]**

(iv) 'घूँट आँसुओं के पी कर रह जाते- इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लाचार और जरूरतमंदों के लिए मन में प्रेम और संवेदना होना क्यों आवश्यक है? **[3]**

नया रास्ता : सुषमा अग्रवाल

(NAYA RASTA : SUSHMA AGARWAL)

Question 11.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

उसके हृदय में तूफ़ान उठता कि वह एक लड़की जरूर है, परन्तु उसके अन्दर हिम्मत तथा साहस है। मीनू अभी अपनी पढ़ाई में तल्लीन थी कि अचानक उसे ख्याल आया कि परसों उसे नीलिमा की शादी में जाना है।

(i) मीनू बचपन से पढ़ाई में कैसी थी? अभी वह कौन-सी पढ़ाई कर रही थी? **[2]**

(ii) मीनू ने नीलिमा की शादी में कितने दिन पहले जाने का निश्चय किया? तथा विवाहोपलक्ष्य में उसे भेंट देने के लिए मीनू ने क्या खरीदा? **[2]**

(iii) नीलिमा कौन थी? उसकी शादी कहाँ हो रही थी? मीनू के पूछने पर उसने अपने होने वाले पति के बारे में क्या-क्या बताया? **[3]**

(iv) नीलिमा के विवाह में मीनू द्वारा गाए गए मधुर गीत की प्रशंसा करने वाला नवयुवक कौन था? उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनकर मीनू प्रसन्न क्यों नहीं हुई? **[3]**

Question 12.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

वैसे हमारे यहाँ शादी के बाद तो दावत होती नहीं हैं पहले ही मढ़े पर सब बिरादरी वालों और जान-पहचान वालों को खाना खिला देते हैं।

(i) वक्ता कौन है? उनके यहाँ किसकी शादी की क्या-क्या तैयारियाँ चल रही हैं? **[2]**

(ii) उपन्यास में 'बड़े घर की बेटी' कहकर किसे संबोधित किया गया है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। **[2]**

(iii) धनीमल ने अपनी बेटी के विवाह में दहेज देने के लिए मायाराम जी के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा? मायाराम जी को उनकी किस बात पर क्रोध आ गया और क्यों? **[3]**

(iv) 'नया रास्ता' उपन्यास में लेखिका ने किस सामाजिक कुप्रथा पर प्रकाश डाला है? आपके अनुसार इसे रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका किसकी हो सकती है? उदाहरण सहित बताइए। **[3]**

Question 13.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

''एक घण्टे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी एक बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नज़र घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।''

(i) यहाँ कौन कहाँ इंतज़ार कर रहा है? **[2]**

(ii) उसे यह समय बहुत लम्बा क्यों लग रहा है? **[2]**

(iii) इस इंतज़ार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? स्पष्ट करें। **[3]**

(iv) ''प्रस्तुत उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करें।'' **[3]**

एकांकी संचय
EKANKI SANCHAY

Question -14.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

''मेरी बेटी पहला सावन यहाँ बिताएगी, तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे और उसके सपनों के खून का दाग तुम्हारे हाथों और तुम्हारी माँ के आँचल पर होगा।''

बहू की विदा : विनोद रस्तोगी

Bahu Ki Vida : Vinod Rastogi

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं? वक्ता की मानसिकता बताइए। **[2]**

(ii) यहाँ बहन के किस सपने की बात हो रही है? क्या वह वास्तव में सपना होता है? **[2]**

(iii) वक्ता ने बहन के सपने पूरे न हो पाने का ज़िम्मेदार किन्हें ठहराया और क्यों, क्या वही इसके ज़िम्मेदार हैं? आपके दृष्टिकोण से क्या वक्ता का व्यवहार उचित था? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **[3]**

(iv) इस एकांकी में समाज की किस ज्वलन्त समस्या की ओर इशारा किया गया है? इस समस्या से समाज में क्या स्थिति उत्पन्न हो रही है? एकांकी का उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 15.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

''तुम कुछ गा रही थीं? तुम संपूर्ण राजस्थान को एकता की शृंखला में बाँधकर देश की स्वाधीनता के लिए कुछ करने का आदेश दे रही थीं। किंतु मैं तो इस शृंखला को तोड़ने जा रहा हूँ। दोनों जातियों में जानी-दुश्मनी पैदा करने जा रहा हूँ।''

मातृभूमि का मान : हरिकृष्ण 'प्रेमी'

Maatr Bhumi Ka Maan : Hari Krishan 'Premi'

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? श्रोता वक्ता को अपने गीत के माध्यम से क्या कहना चाह रही है? **[2]**

(ii) वक्ता उस शृंखला को तोड़ने के लिए इच्छुक क्यों है? **[2]**

(iii) यहाँ किन दो जातियों का उल्लेख किया गया है? उनकी विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) प्रस्तुत एकांकी के किस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया? नाम लिखते हुए एकांकी का उद्देश्य लिखिए। **[3]**

Question 16.

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follows :-

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** में लिखिए :-

''रूठ गए कुँवर! रूठने से राजवंश नहीं चलते। जाओ विश्राम करो। देखो, तुम्हारे कपड़ों पर धूल छा रही है। दिनभर तलवार से खेलते रहे, थक गए होगे। जाओ, शैया पर सो जाओ। मैं तुम्हारी तलवार अलग रख दूँगी।''

दीपदान : डॉ. रामकुमार वर्मा

Deepdaan : Dr. Ramkumar Verma

(i) 'कुँवर' का प्रयोग किसके लिए किया गया है? उनके रूठने का कारण बताइए। **[2]**

(ii) उदय सिंह का ध्यान उत्सव से हटाने के लिए वक्ता ने उसे मनाते हुए, बहलाते हुए क्या कहा? **[2]**

(iii) वक्ता का परिचय देते हुए उसकी दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। **[3]**

(iv) वक्ता कुँवर को दीपदान का उत्सव देखने से क्यों रोकना चाहती थी? एकांकी के अन्त में उसने देशभक्ति तथा राजभक्ति किस प्रकार से दिखाई थी? **[3]**

ANSWERS

SECTION - A

1. **प्लास्टिक मुक्त भारत स्वच्छ भारत**

(i) आज के समय में अधिकतर प्लास्टिक का उपयोग किया जा रहा है। खाने की चीज़ें भी प्लास्टिक के डिब्बों में पैक होकर उपलब्ध होती हैं जो स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यन्त हानिकारक हैं। जब भी हम बाज़ार जाते हैं तो प्लास्टिक की पौलिथिन का उपयोग खाद्य वस्तु, सब्ज़ी इत्यादि को रखने के लिए करते हैं। आज के समय में देश को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सर्वप्रथम शुरूआत 2 अक्टूबर 2019 को केन्द्र सरकार द्वारा की गई थी।

भारत को प्लास्टिक मुक्त करने का संकल्प

- प्लास्टिक का उपयोग कम-से-कम किया जाना ज़रूरी है। प्लास्टिक के बैग के स्थान पर कागज़ के बैग का उपयोग करना चाहिए।
- प्लास्टिक की प्लेट के स्थान पर मिट्टी या ताम्बे के बर्तनों का उपयोग किया जाना चाहिए। ताम्बे के बर्तन हमारे स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुँचाते हैं।
- प्लास्टिक को इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए क्योंकि ये नदियों के माध्यम से समुद्र में चली जाती हैं जिससे जल में रहने वाले समस्त प्राणियों को नुकसान पहुँचता है।
- बोतल में पैक पानी का कम-से-कम प्रयोग करें।

प्लास्टिक नॉन बायोडिग्रेडेबल है। इसके कारण पर्यावरण को काफ़ी नुकसान पहुँचता है।

(ii) **मँहगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गम्भीर समस्या है**

बढ़ती हुई मँहगाई तथा जनसंख्या वृद्धि भारत के समक्ष एक गहन समस्या के रूप में उभर कर सामने प्रस्तुत हुई है। इसने जीवनयापन को अत्यन्त दुरूह कर दिया है तथा इससे जीवन शैली भी अधिक प्रभावित हुई है। आज भी भारत की 60% जनसंख्या गरीबी की सीमा रेखा से नीचे जीवनयापन करती है। आज विदेशी पूँजी और तकनीकी ने भारत में विदेशी बहुउद्देशीय कम्पनियों का साम्राज्य स्थापित कर दिया है। भारत का कुटीर-उद्योग और लघु उद्योग समाप्त हो रहा है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण

- काम में विवेक की कमी
- विवाह एवं सन्तान प्राप्ति की अनिवार्यता
- गरीबी तथा निम्न जीवन स्तर

जनसंख्या वृद्धि को रोकने के उपाय

- शिक्षा का प्रसार
- विवाह की आयु में वृद्धि
- जनसंख्या नियन्त्रण कानून

मँहगाई के कारण

- उत्पादों की कम आपूर्ति होना
- वस्तुओं और उत्पादों की कालाबाज़ारी करना

मँहगाई को कम करने के लिए उपयोगी राष्ट्र नीति की ज़रूरत है। जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ रही है उस तरीके से मँहगाई को रोकना बहुत ही ज़रूरी है। मँहगाई को बजट बनाकर कम करने का प्रयास किया जा सकता है। 2019 का जनसंख्या नियन्त्रण कानून कहता है कि प्रत्येक कपल (युगल) के पास दो बच्चे होंगे, उससे अधिक सन्तान नहीं होगी लेकिन 2022 में इसे वापस ले लिया गया था।

(iii) **भारत विविधताओं का देश है**

केरल को चेरलम नाम से भी जाना जाता था। इस राज्य की राजधानी तिरूवंतपुरम है तथा यह इस राज्य का बहुत सुन्दर शहर भी है। मैं गर्मियों की छुट्टियों में अपने पिता जी के साथ केरल गया था। यह राज्य प्राकृतिक रम्य स्थलों में से एक है तथा पर्यटकों के लिए सदैव आकर्षण का केन्द्र रहा है।

मालाबार क्षेत्र मसालों के साथ-साथ औषधियों का भी भण्डार रहा है। देश का सबसे बड़ा औषधि केन्द्र भी यहीं हैं। दुनियाभर के लोग आयुर्वेद का इलाज कराने के लिए इस स्थान पर आते हैं। यहाँ समुद्र के किनारे स्थित बेकल फोर्ट विशेष आकर्षण का केन्द्र है। यहाँ किले के चारों ओर नारियल के पेड़ हैं जो इसकी शोभा बढ़ाते हैं तथा यहाँ छोटे-छोटे जलद्वीपों में स्थित किले को देखकर प्रत्येक व्यक्ति का मन खुश हो जाता है।

इस राज्य का मुख्य त्योहार ओणम है। इसे थिरूवोनम भी कहा जाता है। मलयालम माह के चिंगोम महीने को विशेष रूप से माना जाता है। इस दिन घरों को फूलों से सजाया जाता है। मन्दिरों में भी बड़े-बड़े पांडाल सजाए जाते हैं। नौका दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। केरल वासियों का प्रमुख भोजन-चावल है। मलयाली साग-सब्ज़ियाँ, मछली, माँस, अण्डा इत्यादि से बनी सब्ज़ियों से मिलाकर चावल खाना पसन्द करते है अत: कहा जा सकता है कि मुझे केरल राज्य अधिक प्रिय लगा।

(iv) **कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती**

मेरे पड़ोस में एक राहुल नाम का लड़का रहता था। वह उत्तम यूनिवर्सिटी से बी.एस.सी कर रहा था। वह अपने माता-पिता की इकलौती सन्तान था। मैं अधिकतर उसके साथ क्रिकेट खेलना पसन्द करता था क्योंकि वह बॉलिंग करता था। एक दिन वह कार से अपनी यूनिवर्सिटी जा रहा था तभी उसका एक्सीडेन्ट हो गया। वह छः दिन तक आई.सी.यू में भर्ती रहा लेकिन उसे होश नहीं आया था। सातवें दिन होश आया तब डॉक्टर ने जवाब दे दिया कि वह कभी चल नहीं पाएगा। एक महीने बाद उसके माता-पिता उसे घर ले आए। सभी निराश थे लेकिन उसकी माँ ने बिल्कुल हार नहीं मानी। वह दिन-रात उसकी सेवा करती और उसके पैरों की मालिश किया करती थीं। धीरे-धीरे उसकी माँ ने उसे अपना सहारा देकर खड़ा होना सिखाया और फिर हाथ पकड़ कर चलना सिखाया। प्रारम्भ में राहुल को बहुत परेशानी हुई। उससे चला नहीं जाता था। उसे बहुत कष्ट होता था जिसके कारण उसकी माँ की आँखों से भी आँसू निकल आते थे। लेकिन माँ ने हिम्मत नहीं हारी फिर भी वे राहुल को प्रतिदिन चलने के लिए प्रेरित करती थीं। उनके परिश्रम का यह परिणाम निकला कि एक दिन राहुल बिना सहारे के चलने लगा और अपनी यूनिवर्सिटी भी जाने लगा। इसलिए कहा जाता है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(v) इस चित्र में लड़कियाँ स्कूल में अध्ययन करती हुई नज़र आ रही हैं। शिक्षा जीवन जीने का एक अनिवार्य अंग बन गया है। बिना शिक्षा के आज कुछ भी नहीं है। महिला के अधिकारों की रक्षा में शिक्षा सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक शिक्षित महिला में कौशल, प्रतिभा और आत्मविश्वास होता है। 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम ने अनिवार्य किया कि न्यूनतम शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए बिना शर्त के शैक्षिक अवसरों को पहुँचाना अनिवार्य है। लड़कियों की शिक्षा अर्थव्यवस्था को मज़बूत करती है और असमानता को भी कम कर देती है।

बालिका शिक्षा की आवश्यकता

- सभ्य समाज के निर्माण हेतु
- बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु
- प्रजातांत्रिक सफ़लता हेतु
- आर्थिक उन्नति हेतु
- सामाजिक कुरीतियों और अन्ध विश्वासों की समाप्ति के लिए इस प्रकार बालिकाओं की शिक्षा वर्तमान में अत्यन्त आवश्यक है। लैंगिक भेदभावों को दूर करने के लिए लड़कियों की शिक्षा होना भी ज़रूरी है जिससे इन भेदभावों को समाज में से समाप्त किया जा सके। एक पुरुष को शिक्षित करके केवल देश के कुछ ही हिस्से को शिक्षित किया जा सकता है जबकि एक महिला को शिक्षित करके पूरे राष्ट्र को शिक्षित किया जा सकता है।

2 (i) 102, शाहगंज

आगरा

दिनांक- 28 अप्रैल xxxx

विषय- अनाथ-आश्रम जाने का अनुभव बताने हेतु।

प्रिय मित्र सुनील,

आशा है तुम सकुशल होगे। इस बार हम आज़ादी का महोत्सव मनाने के लिए अनाथ आश्रम में गए थे। वहाँ कई मासूम बच्चे थे। कुछ की आवाज़ तो अन्यन्त ही कोमल थी। जब मैं उनके पास गई तो वे मुझे हाथ पकड़ कर मैदान की ओर ले गए और मुझे खेलने के लिए आमन्त्रित किया। मैंने वहाँ उनके साथ क्रिकेट खेला। बहुत मज़ा आया। सच में ऐसा लग रहा था मानों कि अपने परिवार के बच्चों के साथ खेल रही हूँ। मैं उनके लिए कुछ कपड़े, खानें की चीज़ें तथा कॉपी लेकर गई थी उन्हें देखते ही उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। वहाँ से वापस आने का भी मन नहीं कर रहा था। तुम जब आगरा आओगे, तो मैं तुम्हें उस आश्रम लेकर जाऊँगी।

तुम्हारी सहेली

पूनम बघेल

(ii) सेवा में,

एम.आई. कम्पनी प्रबन्धक

आगरा

विषय:- गारंटी टाईम में मोबाइल में खराबी आने हेतु।

महोदय,

मेरा नाम सुमित है और मैं कमला नगर आगरा का निवासी हूँ। 16 मार्च को मैंने शाह मार्केट से आपकी कम्पनी का एक मोबाइल खरीदा था लेकिन 20 मार्च को इस फ़ोन की डिस्प्ले पूरी तरह अपने आप काली हो गई। अभी इस फ़ोन की गारंटी टाईम भी समाप्त नहीं हुआ है। मैं इतना आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हूँ कि दूसरा फ़ोन खरीद लूँ।

आपसे निवेदन है कि कृपया मेरा मोबाइल जल्द-से-जल्द बदलने की कृपा करें। मैं जीवनभर आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद

भवदीया

सुमित

कमला नगर, आगरा।

दिनांक- xx/03/xxxx

3. (i) वसन्त ऋतु का आगमन हो चुका था लेकिन मोर और कोयल उदास थे। जंगल के राजा ने एक जाँच आयोग का गठन करवाया जिसका प्रमुख कौवा बनाया गया।

(ii) जाँच द्वारा पता चला कि कोयल और मोर एक ही घर की मुंडेर पर बैठे थे कि तभी उनकी नज़र घर पर चल रहे टेलीविज़न पर पड़ी जिस पर नृत्य का कार्यक्रम दिखाया जा रहा था। यह कार्यक्रम देखकर दोनों ही उदास हो गए और सोचने लगे कि हम दिन रात मधुर वाणी और मनमोहक अदाओं से सबका मन बहलाते हैं, पर हमारी प्रशंसा में किसी ने कुछ नहीं कहा।

(iii) कौवे ने अपना उदाहरण देकर समझाया कि जब हमारा साथी मर जाता है तो हम सभी एकत्र होकर काँव-काँव कर अपना दुःख प्रकट करते हैं। हम मित्रों और मेहमानों के आगमन की सूचना देते हैं। लोग हमारी कद्र नहीं करते। गीता के उपदेश की भाँति हम अपने कार्य को करते रहें और फल की इच्छा न करें।

(iv) कौवे की बातें उन दोनों को समझ में आ गईं। उसी समय जंगल में काले बादल छा गए। कोयल और मोर झूम-झूम कर नाचने और गाने लगे। सारे जंगल में खुशी की लहर दौड़ गई।

(v) कौवे ने मोर से कहा, भगवान कृष्ण तुम्हारे पंख अपने सिर पर लगाते हैं, क्या इससे भी बढ़कर तुम्हारा पुरस्कार हो सकता है? इसी भाव से कोयल को भी समझाया कि तुम ही तो वसन्त के आगमन की सूचना देती हो। आमों की बहार आने की खुशियाँ देती हो। इस प्रकार उन्हें अपने-अपने पुरस्कार प्राप्त हुए थे।

4 (i) उत्तर विकल्प (c) सही है।

व्याख्या- विलोम अर्थात् विपरीतार्थक शब्द है। आदि का उल्टा अन्त होगा।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या- संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

(v) विकल्प (c) सही है।

(vi) विकल्प (b) सही है।

(vii) विकल्प (b) सही है।

(viii) विकल्प (c) सही है।

SECTION - B

साहित्य सागर : संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar : Short Stories)

5. (i) यहाँ नेताजी की मूर्ति की बात की जा रही है। नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या किसी प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार शहर के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी थी।

(ii) पहली बार हालदार साहब ने मूर्ति पर चौकोर काला फ्रेम वाला चश्मा देखा था। दूसरी बार चश्मा गोल मोटे फ्रेमवाला था।

(iii) 'कौतुक' का अर्थ उत्सुकता होता है। उनकी उत्सुकता इसलिए बढ़ी क्योंकि मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है। उन्होंने पान वाले से प्रश्न किया कि क्यों भई क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

(iv) मूर्तिकार एक अध्यापक था जिसका नाम मास्टर मोतीलाल था। बेचारे ने महीने भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा किया होगा। बना भी ली होगी लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए- काँचवाला यह तय नहीं कर पाया होगा या चश्मा टूट गया होगा।

6. (i) 'मैं' शब्द का प्रयोग रामनिहाल के लिए किया गया है। वक्ता श्यामा के घर की बात कर रहा है।

(ii) वक्ता जहाँ नौकरी करता है उसी को अपना घर मान लेता है क्योंकि वहाँ सुशिक्षित और सज्जन लोग हैं और उसे मानते भी बहुत हैं।

(iii) वक्ता अपने जीवन की सच्चाई बताते हुए कहता है कि मेरी महत्त्वाकांक्षा, मेरे उन्नतिशील विचार मुझे बराबर दौड़ाते रहे। मैं अपनी कुशलता से अपने भाग्य को धोखा देता रहा। यह भी मेरा पेट भर देता था। कभी-कभी मुझे ऐसा मालूम होता कि यह दाँव बैठा कि मैं अपने आप पर विजयी हुआ। किन्तु वह मृग-मरीचिका थी।

(iv) रामनिहाल सन्देह को अपने मन में जगह देता है कि मनोरमा उससे प्रेम करती है और श्यामा को सन्देह है कि रामनिहाल से मनोरमा प्रेम नहीं करती है। यह कहानी सन्देह के दायरे में घूमती नज़र आती है। इस कारण इस कहानी का शीर्षक सार्थक है।

7. (i) चुनाव वन प्रदेश में होने वाला था क्योंकि वे अच्छी शासन-व्यवस्था अपनाना चाहते थे जो प्रजातांत्रिक हो। भेड़ों ने सोचा कि वे अपने प्रतिनिधियों से क़ानून बनवाएँगें जिससे उन्हें कोई न सताए।

(ii) भेड़ों के उल्लासित होने का कारण वन-प्रदेश में प्रजातन्त्र की स्थापना था। उनका यह उल्लास चिर स्थायी नहीं रहा।

(iii) 'दिल बैठना' अर्थात् बहुत बुरी तरह दुःखी होना है। भेड़ियों का दिल बैठने का कारण वन प्रदेश में चुनाव होना था। वे सोच रहे थे कि उनका राज्य तो अब गया, इसलिए उनका दिल बैठना भी उचित था।

(iv) 'भेड़ और भेड़िए' कहानी वर्तमान प्रजातांत्रिक चुनाव प्रणाली का सच्चा स्वरूप प्रस्तुत करती है। राजनेता चुनाव जीतने के लिए भोली-भाली जनता को तरह-तरह के प्रलोभन देकर चुनाव जीत जाते है और अन्त में अपने वादे से मुकर जाते हैं। उदाहरण के लिए- ''हर भेड़िए के आसपास दो-चार सियार रहते ही हैं। जब भेड़िया अपना शिकार खा लेता है, तब ये सियार हड्डियों में लगे माँस को कुतरकर खाते हैं और हड्डियाँ चूसते रहते हैं।''

साहित्य सागर : पद्य भाग
(Sahitya Sagar : Poems)

8. **(i)** रघुपति रामायण के नायक श्री राम हैं। श्रीराम का जन्म रघुकुल में त्रेता युग अर्थात् द्वापर युग से पहले हुआ था।

(ii) महाभारत के युद्ध में गीता का उपदेश देकर मनुष्य को निष्काम कर्म की शिक्षा दी। यह उपदेश श्री कृष्ण ने दिया है।

(iii) बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध ने मानव को प्रेम और अहिंसा का पाठ पढ़ाया तथा उनके मन के दीपक से आज विश्व के अनेक देश आलोकित हैं।

(iv) भारत के दक्षिण में स्थित हिमालय पर्वत से बहने वाली शीतल और सुगंधित हवा प्राणियों के तन-मन को स्फूर्ति से भर देती है।

- यहाँ अनेक धर्मों की स्थापना हुई जिससे मनुष्य को एक नई जीवन दृष्टि मिली। यह देश कर्म प्रधान है।

9. **(i)** सूरदास ने श्री कृष्ण की शिशु अवस्था का वर्णन किया है। कृष्ण की झल्लाहट का कारण मक्खन है।

(ii) कृष्ण मचलते हुए, चिड़चिड़ाते हुए मक्खन खा रहे हैं। उन्हें नींद आ रही है इसलिए उनकी आँखें लाल और उनकी भौंहें टेढ़ी हो रही हैं।

(iii) सूरदास की भक्ति सखा भाव की थी। सूरदास बल्लभाचार्य के शिष्य तथा अष्ट छाप के प्रमुख कवियों में से एक हैं। पुष्टि मार्ग में दक्षित होने के बाद जो पद उन्होंने रचे वे प्रेमलक्षणा भक्ति से सम्बन्धित हैं।

(iv)

लोचन-	नेत्र
धूल-धूसर -	धूल-मिट्टी
गात-	शरीर
निरखि-	देखकर
तजत-	तंतु
घुटुरन-	घुटनों के बल चलना

10. **(i)** भिक्षुक के साथ उसके दो बच्चे भी हैं। उनकी स्थिति अत्यन्त दयनीय है। भूखे रहने के कारण उनके होंठ भी सूख जाते हैं।

(ii) 'दया दृष्टि' अर्थात् दया करने के योग्य दृष्टि रखने वाला। उन्हें इसकी आवश्यकता इसलिए है क्योंकि वह भूखे हैं। एक हाथ से अपना पेट भी मल रहे हैं जिससे उनकी कोई सहायता कर दे।

(iii) भिक्षुक को देखकर महाभारत का अभिमन्यु पात्र याद आता है। कवि भिक्षुक को अभिमन्यु के समान अपने अधिकारों से लड़ने की प्रेरणा दे रहा है।

(iv) अपमान और दु:ख के कारण वे आँसुओं का घूँट पीकर रह जाते हैं अर्थात् वे अपना मन मसोसकर रह जाते हैं। लाचार और ज़रूरतमन्दों के लिए मन में प्रेम और संवेदना होना इसलिए आवश्यक है जिससे उनकी सहायता की जा सके।

नया रास्ता : सुषमा अग्रवाल
(Naya Rasta : Sushma Agarwal)

11. **(i)** मीनू बचपन से पढ़ाई में बहुत होशियार थी। अभी वह वकील बनने की पढ़ाई कर रही थी।

(ii) मीनू ने नीलिमा की शादी में दो दिन पहले जाने का निश्चय किया तथा विवाहोपलक्ष्य में उसे भेंट देने के लिए एक सुन्दर-सी दीवार घड़ी खरीद ली।

(iii) नीलिमा मीनू की हम उम्र सहेली है। उसकी शादी मीरापुर में हो रही थी। मीनू के पूछने पर उसने अपने होने वाले पति के बारे में बताया कि लड़का मेरठ का ही है। उसकी अपनी फैक्ट्री है। उसका नाम सुरेन्द्र है।

(iv) नीलिमा के विवाह में मीनू द्वारा गाए गए मधुर गीत की प्रशंसा करने वाला नवयुवक अमित था। अमित को देखकर मीनू की अतीत की यादें ताज़ा हो गईं, इसलिए उसके मुँह से अपनी प्रशंसा सुनकर मीनू प्रसन्न नहीं हुई।

12. **(i)** वक्ता मायाराम जी हैं। यहाँ उनके लड़के की शादी की विभिन्न तैयारियाँ चल रही हैं।

(ii) उपन्यास में 'बड़े घर की बेटी' कहकर सरिता को सम्बोधित किया गया है। वह धनीमल की पुत्री है।

(iii) धनीमल ने अपनी बेटी सरिता के रिश्ते की बात की और उसकी शादी में पाँच लाख रुपए लगाने के लिए कहा। मायाराम जी दहेज विरोधी हैं इसलिए उन्होंने कहा कि हम अभी एक लड़की देखकर आए हैं और वह लड़की सबको पसन्द है।

(iv) 'नया रास्ता' उपन्यास में लेखिका ने दहेज प्रथा तथा सुन्दर लड़की की चाह जैसी सामाजिक कुप्रथा पर प्रकाश डाला है। इसको रोकने में मीनू और मायाराम जी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मायाराम जी धनीमल की बेटी से विवाह करने के लिए मना कर देते हैं।

13. **(i)** यहाँ मीनू अस्पताल के बाहर बैठकर अमित का इन्तज़ार कर रही है।

(ii) उसे यह समय बहुत लम्बा इसलिए लग रहा है क्योंकि वह अमित से मिलने के लिए अस्पताल आई हुई है। अमित की कार का ब्रेक फैल हो गया था और उसके हाथ-पैरों की हड्डियाँ चकनाचूर हो गई हैं।

(iii) इस इंतज़ार का वास्तविक उद्देश्य अमित के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेना था। मीनू को देखकर अमित के चेहरे पर खुशी दौड़ गई। अमित को अपनी गलती का अहसास होता है कि उसने गलत निर्णय लिया था।

(iv) 'नया रास्ता' पूरी तरह सार्थक है। मीनू अपने साँवलेपन और कम दहेज के कारण बार-बार विवाह से अस्वीकृत हो जाती है। वह कड़ी मेहनत से वकील बनती है और अन्त में अमित के परिवार वाले उसके लिए रिश्ता माँगने आते हैं। इस प्रकार मीनू ने नया रास्ता चयन किया।

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

14. (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता जीवनलाल है तथा श्रोता प्रमोद है। वक्ता की मानसिक स्थिति अत्यन्त क्षीण है। वह दहेज प्रथा को प्रोत्साहित करता है।

(ii) बहन का पहले सावन में अपनी सखी-सहेलियों के साथ हँस-खेलकर बिताने का सपना था जो वास्तव में सपना ही रह गया।

(iii) वक्ता ने बहन के सपने पूरे न होने का ज़िम्मेदार बहन के माता-पिता और भाई को ठहराया जबकि वह इसके ज़िम्मेदार नहीं हैं। मेरी दृष्टि से वक्ता का व्यवहार उचित नहीं था क्योंकि दहेज प्रथा सरकार द्वारा भी समाप्त की जा चुकी है। दहेज की वज़ह से किसी स्त्री को प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए।

(iv) इस एकांकी में समाज की कमज़ोर मानसिकता और दहेज प्रथा की ज्वलन्त समस्या की ओर इशारा किया गया है। इस समस्या से समाज के लोग गर्भ में ही बेटी को मरवा देते हैं जिससे उन्हें दहेज न देना पड़े। जीवनलाल कहता है कि ''जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती हैं, तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजें।''

15. (i) प्रस्तुत कथन का वक्ता महाराणा लाखा है। चारणी रंगमंच के पर्दे के पीछे एक गीत गा रही है जिसका विषय है कि राजस्थान के वीर राजपूतों की शक्ति को बहुत मेहनत से संगठित किया गया है। उन्हें असंगठित न होने दिया जाए।

(ii) महाराणा लाखा बूंदी के हाड़ा वीरों की धृष्टता के कारण बूंदी के किले में सेना के साथ प्रवेश की प्रतिज्ञा कर लेता है क्योंकि नीमरा के मैदान में बूंदी के मुट्ठी भर हाड़ाओं से पराजित होकर महाराणा लाखा को भागना पड़ा था जिससे उनके आत्म विश्वास को ठेस पहुँची थी।

(iii) महाराणा लाखा और बूंदी के हाड़ाओं का उल्लेख किया गया है। बूंदी के हाड़ा शक्ति और साधन में मेवाड़ से छोटे हैं फिर भी वे वीर हैं।

(iv) प्रस्तुत एकांकी में वीर सिंह ने मुझे अधिक प्रभावित किया। 'मातृभूमि का मान' रखने के लिए वीर सिंह ने अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। इस एकांकी का यही उद्देश्य है कि हमें अपने देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

16. (i) 'कुँवर' का प्रयोग उदय सिंह के लिए किया गया है। उनके रूठने का कारण यही है कि पन्ना 'धाय' ने उन्हें दीपदान उत्सव में जाने नहीं दिया।

(ii) उदय सिंह का ध्यान उत्सव से हटाने के लिए वक्ता ने उसे मनाते हुए, बहलाते हुए कहा कि रूठने से राजवंश नहीं चलते। जाओ विश्राम करो। देखो तुम्हारे कपड़ों पर धूल छा रही है।

(iii) वक्ता पन्ना धाय है। वह एक कर्त्तव्यनिष्ठ साहसी महिला थी। पन्ना में अटूट राजभक्ति है जिसके कारण वे अपने पुत्र का बलिदान भी कर देती है।

(iv) वक्ता कुँवर को दीपदान का उत्सव देखने से इसलिए रोकना चाहती है क्योंकि महाराजा संग्राम सिंह कुँवर की हत्या का षड्यन्त्र रचता है। एकांकी के अन्त में पन्ना धाय ने कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चन्दन को शैय्या पर लिटा दिया और संग्राम सिंह कुँवर समझ कर उसकी हत्या कर देता है। इस प्रकार उसने देशभक्ति तथा राजभक्ति दिखाई थी।

■■